<table>
<tr><td colspan="3">विषय : हिन्दी</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन (Pre-Ph.D. Course Work)</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">प्रथम प्रश्नपत्र</td><td></td></tr>
<tr><td>पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) :
DHNC601</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) :
शोध प्रविधि</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) :
शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को शोध प्रविधि का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखकर इस पत्र की रचना की गयी है। इसका उद्देश्य शोधार्थियों को शोध प्रविधि से सम्बन्धित अति महत्त्वपूर्ण बातों की जानकारी कराना है।</td><td></td></tr>
<tr><td>क्रेडिट : 4</td><td>पूर्णांक : 25+75</td><td>उत्तीर्णांक : 55 प्रतिशत</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">कुल व्याख्यान संख्या : 60</td><td></td></tr>
</table>

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**शोधाभिप्राय :** शोध : अर्थ एवं स्वरूप; शोध के तत्त्व; शोध एवं समीक्षा; शोध के प्रयोजन; शोध के प्रकार; शोध की पद्धतियां; शोध–चिन्तन; तथ्यानुसन्धान एवं तथ्य–परीक्षण; शोध–अर्हता एवं संस्कार।	15	1
2.	**शोध के सोपान :** शोध–चिन्तन;विषय–चयन; रूपरेखा–निर्माण–शोध–शीर्षक; प्रस्तावना, पूर्वकृत कार्य की समीक्षा, परिकल्पना, उद्देश्य, प्रविधि व अध्यायीकरण, परिशिष्ट आदि; सामग्री–संकलन; टीप (नोट्स) लेना; प्रश्नावली, साक्षात्कार तथा पर्यवेक्षण–पद्धति।	15	1
3.	**शोध–प्रबन्ध लेखन :** विषय सूची; संकेत–सूची; विषय–प्रवेश या पीठिका; भूमिका एवं उपसंहार–लेखन, अध्यायीकरण, उद्धरण–प्रस्तुति; सन्दर्भोल्लेख; पाद–टिप्पणी; सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची; नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका।	15	1
4.	**शोध–संहिता एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग :** शोध आचार संहिता; कॉपीराइट, साहित्यिक चोरी तथा उपचार; प्रकाशन–सम्बन्धी नैतिकता एवं दुराचार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी शोध–सम्बन्धी 2016 का अधिनियम। कम्प्यूटर का शोध में उपयोग; कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधा; ई–सामग्री संग्रह तथा उपयोग; हिन्दी भाषा और साहित्य–सम्बन्धी विविध वेबसाइटें; ई–पत्रिकाएं, पुस्तकें तथा उनके लिये लेखन।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी शोध, उसके प्रमुख आयामों और महत्त्व को जान सकेगे।
2. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।

3. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उनमें अपेक्षित शोध–कौशल का विकास होगा और उनका शोध गुणवत्तापरक होगा।

विषय : हिन्दी			
पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन **(Pre-Ph.D. Course Work)**			
प्रथम प्रश्नपत्र			
पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) : **DHNC602**	पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) : **हिन्दी अनुसन्धान के आयाम**		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) : किसी विषय में शोध करने के इच्छुक शोधार्थी को उस विषय में सम्भावित शोध के क्षेत्रों का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखकर इस पत्र की रचना की गयी है। इसका उद्देश्य शोधार्थियों को हिन्दी में शोध के विभिन्न आयामों और उनमें कार्य करने की व्यापक सम्भावना से अवगत कराना है।			
क्रेडिट : 4	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**	
कुल व्याख्यान संख्या : **75**			

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**साहित्येतिहोसिक शोध :** साहित्येतिहासिक शोध का अर्थ एवं स्वरूप; साहित्येतिहासिक शोध के क्षेत्र एवं सोपान; हिन्दी साहित्य के इतिहास में शोध की सम्भावनाएं; हिन्दी साहित्येतिहास में शोध की स्थिति।	15	1
2.	**व्याख्यात्मक शोध :** व्याख्यात्मक शोध का अर्थ एवं विशेषताएं; व्याख्यात्मक शोध के आयाम– मनोवैज्ञानिक, प्रवृत्तिपरक; सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, साहित्यशास्त्रीय।	15	1
3.	**लोकतात्विक शोध :** लोक : अवधारणा एवं स्वरूप; लोक साहित्य और उसके अध्ययन के विविध आयाम; लोकतात्विक शोध की दिशाएं; लोकतात्विक शोध के तत्त्व; लोकतात्विक शोध की प्रविधि; लोकतात्विक शोध की चुनौतियां और समाधान।	15	1
4.	**भाषातात्विक शोध :** भाषातात्विक शोध से तात्पर्य तथा उसका क्षेत्र; हिन्दी में भाषातात्विक शोध की आवश्यकता; साहित्य का भाषातात्विक अनुशीलन; भाषावैज्ञानिक शोध; शैलीवैज्ञानिक शोध; समाजभाषिक शोध।	15	1
5.	**सर्वेक्षण आधारित तथा तुलनात्मक शोध :** हिन्दी में सर्वेक्षणपरक शोध के क्षेत्र एवं प्रविधियां; हिन्दी–क्षेत्र का निर्धारण और उस पर कार्य– बोलीगत, वृहत्तर, भारतेतर, हिन्दीतर क्षेत्र में भाषा–बोली और उनके साहित्य–सम्बन्धी अध्ययन; तुलनात्मक शोध का तात्पर्य एवं आयाम; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की आवश्यकता; हिन्दी में तुलनात्मक शोध की परम्परा; तुलनात्मक शोध की सम्भावनाएं तथा सीमाएं।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी हिन्दी में शोध के प्रमुख आयामों, प्रविधियों और महत्त्व को जान सकेंगे।

2. शोध कार्य की सही पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
3. इस पत्र के अध्ययन द्वारा उन्हें जहां एक ओर अपने विषय–चयन में सहायता मिलेगी, वहीं उनके शोध कार्य में गुणात्मक सुधार होगा।

विषय : हिन्दी			
पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन (Pre-Ph.D. Course Work)			
प्रथम प्रश्नपत्र			
पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) : **DHNC602**	पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) : **हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**		
पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) : इस पत्र का उद्देश्य शोधार्थियों को उन विचार–सरणियों से अवगत कराना है, जिन्होंने हिन्दी साहित्य को अपने–अपने दौर में गहराई से प्रभावित किया है। हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित हो जाने से उनके समक्ष शोध के नये–नये आयाम सामने आ सकेंगे और वे अपने शोध–विषय का एक अच्छा चयन कर सकेंगे।			
क्रेडिट : **4**	पूर्णांक : **25+75**	उत्तीर्णांक : 55 **प्रतिशत**	
कुल व्याख्यान संख्या : **75**			

इकाई	पाठ्यवस्तु	व्याख्यान संख्या	क्रेडिट संख्या
1.	**विचारधारा और साहित्य :** मध्यकालीन बोध का स्वरूप; विभिन्न धर्म–साधनाएं, आन्दोलन और उनके वैचारिक आधार; मध्ययुगीन और आधुनिक बोध में साम्य–वैषम्य; औद्योगिक संस्कृति और आधुनिकता बोध; राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता; पुनरुत्थानवाद; मध्ययुगीन लोक–जागरण और आधुनिक पुनर्जागरण;	15	1
2.	**आधुनिक प्रभाव :** परम्परा और आधुनिकता; भारतीय स्वतन्त्रता–संग्राम; विभिन्न संस्थाओं के सुधार–आन्दोलन; भारत की संवैधानिक व्यवस्था– लोकतन्त्र, समाजवाद, पन्थनिरपेक्षता।	15	1
3.	**विविध मतवाद :** अध्यात्मवाद; गांधीवाद; अन्तश्चेतनावाद; मार्क्सवाद; मनोविश्लेषणवाद; अस्तित्ववाद; आधुनिकतावाद; उत्तर–आधुनिकतावाद।	15	1
4.	**विविध विमर्श :** भूमण्डलीकरण, आद्योगीकरण; बाजारीकरण; शहरीकरण; दलित विमर्श; स्त्री–विमर्श; आदिवासी विमर्श; पसमांदा विमर्श; आंचलिकता और महानगरीय बोध।	15	1
5.	**साहित्य का अन्तर्विषयक अध्ययन :** साहित्य का समाजशास्त्र; अन्तरानुशासनिक अध्ययन; साहित्येतिहास–दर्शन; मनोवैज्ञानिक अध्ययन; सांस्कृतिक अध्ययन; भाषा प्रौद्योगिकी; साहित्य का वैज्ञानिक बोध।	15	1

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. शोधार्थी उन वैचारिक आधारों को जान सकेंगे, जिन्होंने समय–समय पर हिन्दी साहित्य को गहराई से प्रभावित किया है।

2. शोध के नये–नये क्षेत्र उनके सम्मुख प्रकट हो सकेंगे।
3. अपने शोध–विषय का अच्छा चयन कर वे शोध के क्षेत्र में श्रेष्ठ अवदान दे सकेंगे।।

<table>
<tr><td colspan="4">विषय : हिन्दी</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4">पाठ्यक्रम : पीएच.डी पूर्व अध्ययन (Pre-Ph.D. Course Work)</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4">प्रथम सेमेस्टर</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">पाठ्यक्रम संख्या (COURSE CODE) :
MHNP405</td><td colspan="2">पाठ्यक्रम शीर्षक (COURSE TITLE) :
हिन्दी शोध परियोजना</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4">पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objetives) :
इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। उच्च शिक्षा का महत् उद्देश्य शोध है। किसी विषय पर शोध परियोजना करने से विद्यार्थियों में शोध–क्षमता का विकास हो और वे आगे चलकर एक अच्छे शोधकर्ता बन सकें, इस दृष्टि से इस पत्र की आयोजना पाठ्यक्रम में की गयी है।</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">क्रेडिट : 5</td><td>पूर्णांक :</td><td>उत्तीर्णांक : 33 प्रतिशत</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4">कुल व्याख्यान संख्या : 75</td><td></td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td colspan="2">पाठ्यवस्तु</td><td>व्याख्यान संख्या</td><td>क्रेडिट संख्या</td></tr>
<tr><td>1.</td><td colspan="2">इस पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी अपने शोध–निर्देशक के निर्देशन में हिन्दी भाषा एवं साहित्य से जुड़े किसी विषय का चयन कर एक शोध परियोजना पर कार्य करेंगे और उससे सम्बन्धित एक शोध–प्रबन्ध मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करेंगे।</td><td>15</td><td>4</td></tr>
</table>

पाठ्यक्रम परिणाम :

1. विद्यार्थियों को शोध का व्यवहारिक अभ्यास होगा।
2. पीएच.डी. करने से पूर्व विद्यार्थी शोध की सही प्रविधि जान सकेगे और शोध कार्य की बारीकियों को समझकर उसमें दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी के एक गम्भीर अध्येता तथा उत्कृष्ट शोधार्थी के रूप में विकसित होने में यह पत्र सहायक होगा।